साई-फाई करंडक ट्रॉफी का अनावरण

संवाददाता

पुणे. अग्रणी आईटी सुरक्षा समाधान प्रदाता क्विक हील टेक्नोलॉजीज की सीएसआर शाखा, क्विक हील फाउंडेशन ने साइबरसुरक्षा की जागरूकता फैलाने के लिए वन-एक्ट-नाटकों के एक अद्वितीय प्रतिस्पर्धी उत्सव, साई-फाई करंडक के 2018 संस्करण के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया है. महाराष्ट्र साइबर और प्रसिद्ध थिएटर समूह थिएटर अकादमी के सहयोग से पुणे पुलिस आयुक्त कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जो 16 दिसंबर, 2018 को ग्रैंड फाइनल तक के लिए जुड़े हैं.साई-फाई करंडक साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए क्विक हील फाउंडेशन की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है. अगस्त 2018 में घोषित, साई-फाई करंडक के दूसरे संस्करण को महाराष्ट्र से प्रभावशाली प्रतिक्रिया मिली है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 100 से अधिक टीमों ने प्रविष्टियां भेजी, जबकि थिएटर अकादमी ने अपने अध्यक्ष और प्रसिद्ध थिअटर कलाकार प्रसाद पुरंदरे के नेतृत्व में पुणे, मुंबई, औरंगाबाद, कोल्हापुर, गोवा और नागपुर के क्षेत्रीय केंद्रों में ऑडिशन की मेजबानी की. 16 दिसंबर को साई-फाई करंडक 2018 का भव्य समापन 'सकल ललित कलाधर' में आयोजित किया जाएगा और कई प्रतिष्ठित दिग्गज इसकी शोभा बढ़ाएंगे. रितेश देशमुख इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे, जबकि निर्णायक पैनल में प्रमुख मराठी रंगमंच, फिल्म और टीवी पर्सनालिटी शामिल होंगे जैसे कि विजय केंकरे और आनंद इंगले.

इस पहल के माध्यम से, क्विक हील फाउंडेशन ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सतत उपक्रमों को तैयार करके बेहतर दुनिया बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और रेखांकित किया है.

भव्य समापन में भाग लेने के लिए नौ टीमों को महाराष्ट्र के कोने—कोने से चुना जाएगा और वे विचार-विमर्श करने वाले समकालीन नाटक को प्रदर्शित करेंगी जो हमारे डिजिटली संचालित जीवन शैली की एक झलक प्रदान करते हैं, साथ ही आज के खतरे का स्तर भी दिखाते हैं. ट्रॉफी अनावरण पर क्विक हील टेक्नोलॉजीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ कैलाश काटकर ने कहा, "जबकि भारतीय भौतिक दुनिया में खतरों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, फिर भी वे डिजिटल सुरक्षा को बहुत हल्के ढंग से लेते हैं. यह बेहद समस्याग्रस्त है, क्योंकि हम भौतिक क्षेत्र में जितना जीते हैं, डिजिटल दुनिया में उतना जीना हमने अभी शुरू ही किया है.

जागरूकता फैलाने का लक्ष्य

डिजिटल क्षेत्र में साइबर-खतरों के खिलाफ बचाव करने में कोई भी विफलता साइबर अपराधियों को संवेदनशील जानकारी हासिल करने और दुर्भावनापूर्ण प्रयोजन के साथ अनैतिक गतिविधियों का संचालन करने का अवसर प्रदान करती है. जागरूकता, इसलिए, समय की मांग है. साई-फाई करंदक के नवीनतम संस्करण के माध्यम से, हम प्रयोक्ताओं को उनके सामने आने वाले डिजिटल खतरों, उनकी 'गंभीरता, और हमेशा विकसित होने वाले खतरे के परिदृश्य से खुद को बचाने के बारे में शिक्षित करना चाहते हैं." महाराष्ट्र साइबर आयजीपी. ब्रिजेश सिंह ने कहा, "जिस गति से डिजिटल तकनीक हमारे जीवन में प्रवेश कर रही है.